UP Board Class 12 General Hindi 2026 (Set 302 BM) Question Paper

collegedunia

General Instructions

(i) This question paper contains 14 questions. All questions are compulsory.

(ii) It has multiple-choice questions as well as questions that need a written answer.

(iii) Attempt every question; detailed solutions are provided in the companion solutions booklet.

1(a). शुक्लोत्तरयुगीन लेखक हैं:

(A) गुलाबराय

(B) रायकृष्ण दास

(C) धर्मवीर भारती

(D) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

1(b). हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचना है:

(A) 'धरती के फूल'

(B) 'पुनर्नवा'

(C) 'भारत की एकता'

(D) 'भाग्य और पुरुषार्थ'

1(c). 'दीप जले-शंख बजे' रचना की विधा है:

(A) आत्मकथा

(B) जीवनी

(C) रेखाचित्र

(D) संस्मरण

1(d). 'तट की खोज' कृति के रचनाकार हैं:

(A) हरिशंकर परसाई

(B) जैनेन्द्रकुमार

(C) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(D) वियोगी हरि

1(e). 'आधुनिक हिन्दी एकांकी का जनक' माना जाता है:

(A) सेठ गोविन्ददास को

(B) लक्ष्मीनारायण मिश्र को

(C) डॉ. राम कुमार वर्मा को

(D) उदय शंकर भट्ट को

2(a). 'जागरण सुधार काल' कहा जाता है:

(A) प्रयोगवाद युग को

(B) भारतेन्दु-युग को

(C) छायावाद युग को

(D) द्विवेदी-युग को

2(b). बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' द्वारा रचित कविताओं का शीर्षक है:

(A) 'महापर्व'

(B) 'भारत बारहमासा'

(C) 'आनन्द अरुणोदय'

(D) 'विजयिनी विजय वैजन्ती'

2(c). 'दीपशिखा' काव्य कृति है:

(A) सुमित्रानन्दन पन्त की

(B) महादेवी वर्मा की

(C) नरेन्द्र शर्मा की

(D) भगवतीचरण वर्मा की

2(d). 'हरी घास पर क्षण भर' काव्यकृति के रचयिता हैं:

(A) 'अज्ञेय'

(B) गिरिजाकुमार माथुर

(C) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(D) भवानी प्रसाद मिश्र

2(e). मैथिलीशरण गुप्त की रचना है:

(A) 'चित्राधार'

(B) 'अणिमा'

(C) 'यशोधरा'

(D) 'उच्छ्वास'

3(i). *गद्यांश:* निन्दा कुछ लोगों की पूँजी होती है। बड़ा लम्बा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूँजी से। कई लोगों की रिसपेक्टेबिलिटी (प्रतिष्ठा) ही दूसरों की कलंक-कथाओं के पारायण पर आधारित होती है। बड़े रस-विभोर होकर वे जिस-तिस की सत्य-कल्पित कलंक-कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने-समझाने की तुष्टि का अनुभव करते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक एवं पाठ का नाम लिखिए।

3(ii). *गद्यांश:* निन्दा कुछ लोगों की पूँजी होती है। बड़ा लम्बा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूँजी से। कई लोगों की रिसपेक्टेबिलिटी (प्रतिष्ठा) ही दूसरों की कलंक-कथाओं के पारायण पर आधारित होती है। बड़े रस-विभोर होकर वे जिस-तिस की सत्य-कल्पित कलंक-कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने-समझाने की तुष्टि का अनुभव करते हैं।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

3(iii). *गद्यांश:* निन्दा कुछ लोगों की पूँजी होती है। बड़ा लम्बा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूँजी से। कई लोगों की रिसपेक्टेबिलिटी (प्रतिष्ठा) ही दूसरों की कलंक-कथाओं के पारायण पर आधारित होती है। बड़े रस-विभोर होकर वे जिस-तिस की सत्य-कल्पित कलंक-कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने-समझाने की तुष्टि का अनुभव करते हैं।

(iii) निन्दा किसकी पूँजी होती है?

3(iv). *गद्यांश:* निन्दा कुछ लोगों की पूँजी होती है। बड़ा लम्बा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूँजी से। कई लोगों की रिसपेक्टेबिलिटी (प्रतिष्ठा) ही दूसरों की कलंक-कथाओं के पारायण पर आधारित होती है। बड़े रस-विभोर होकर वे जिस-तिस की सत्य-कल्पित कलंक-कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने-समझाने की तुष्टि का अनुभव करते हैं।

(iv) 'सत्य-कल्पित कलंक-कथा' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

3(v). *गद्यांश:* निन्दा कुछ लोगों की पूँजी होती है। बड़ा लम्बा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूँजी से। कई लोगों की रिसपेक्टेबिलिटी (प्रतिष्ठा) ही दूसरों की कलंक-कथाओं के पारायण पर आधारित होती है। बड़े रस-विभोर होकर वे जिस-तिस की सत्य-कल्पित कलंक-कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने-समझाने की तुष्टि का अनुभव करते हैं।

(v) कुछ लोगों की प्रतिष्ठा का आधार क्या होता है?

OR

3(i). *गद्यांश:* यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी बूढ़ी है वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल मुसकानमयी है। यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की! लक्ष्यदर्शी जीवन की! सेवा-निरत जीवन की! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की! भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

3(ii). *गद्यांश:* यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी बूढ़ी है वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल मुसकानमयी है। यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की! लक्ष्यदर्शी जीवन की! सेवा-निरत जीवन की! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की! भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

3(iii). *गद्यांश:* यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी बूढ़ी है वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल मुसकानमयी है। यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की! लक्ष्यदर्शी जीवन की! सेवा-निरत जीवन की! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की! भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(iii) गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

3(iv). *गद्यांश:* यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी बूढ़ी है वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल मुसकानमयी है। यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की! लक्ष्यदर्शी जीवन की! सेवा-निरत जीवन की! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की! भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(iv) कौनसी ज्योति विश्व की सर्वोत्तम ज्योति है?

3(v). *गद्यांश:* यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी बूढ़ी है वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल मुसकानमयी है। यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की! लक्ष्यदर्शी जीवन की! सेवा-निरत जीवन की! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की! भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(v) लेखक ने किसके मुसकानमय जीवन का चित्रण किया है?

4(i). *पद्यांश:* दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील
छिपाए हैं जिसमें सुख गात।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

4(ii). *पद्यांश:* दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील
छिपाए हैं जिसमें सुख गात।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4(iii). *पद्यांश:* दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील
छिपाए हैं जिसमें सुख गात।

(iii) श्रद्धा किसके हताश मन को प्रेरणा दे रही है?

4(iv). *पद्यांश:* दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील
छिपाए हैं जिसमें सुख गात।

(iv) 'एक परदा यह झीना नील' पंक्ति में कौनसा अलंकार है?

4(v). *पद्यांश:* दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील
छिपाए हैं जिसमें सुख गात।

(v) 'गात' एवं 'रजनी' शब्द का अर्थ लिखिए।

OR

4(i). *पद्यांश:* सावधान, मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तज कर मोह, स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध, है तू अभी शिशु नादान;
फूल-काँटों की तुझे, कुछ भी नहीं पहचान।
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

4(ii). *पद्यांश:* सावधान, मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तज कर मोह, स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध, है तू अभी शिशु नादान;
फूल-काँटों की तुझे, कुछ भी नहीं पहचान।
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4(iii). *पद्यांश:* सावधान, मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तज कर मोह, स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध, है तू अभी शिशु नादान;
फूल-काँटों की तुझे, कुछ भी नहीं पहचान।
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।

(iii) कवि ने वैज्ञानिक युग के मानव को क्या चेतावनी दी है?

4(iv). *पद्यांश:* सावधान, मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तज कर मोह, स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध, है तू अभी शिशु नादान;
फूल-काँटों की तुझे, कुछ भी नहीं पहचान।
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।

(iv) कवि ने तलवार किसे बताया है और इसका प्रयोग करने से मनुष्य को क्यों रोका है?

4(v). *पद्यांश:* <u>सावधान, मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,</u>
<u>तो इसे दे फेंक, तज कर मोह, स्मृति के पार।</u>
हो चुका है सिद्ध, है तू अभी शिशु नादान;
फूल-काँटों की तुझे, कुछ भी नहीं पहचान।
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।

(v) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस एवं अलंकार का नाम लिखिए।

5(a). निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम 80 शब्द): **कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम 80 शब्द): **प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम 80 शब्द): **हजारी प्रसाद द्विवेदी**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम 80 शब्द): **हरिशंकर परसाई**

5(b). निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम 80 शब्द): **जयशंकर प्रसाद**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम 80 शब्द): **सुमित्रानन्दन पन्त**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम 80 शब्द): **महादेवी वर्मा**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम 80 शब्द): **रामधारी सिंह 'दिनकर'**

6. 'ध्रुव यात्रा' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम 80 शब्द)

OR

'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम 80 शब्द)

7(a). 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम 80 शब्द)

OR

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए। (अधिकतम 80 शब्द)

7(b). 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम 80 शब्द)

OR

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुर्योधन का चरित्रांकन कीजिए। (अधिकतम 80 शब्द)

7(c). 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए। (अधिकतम 80 शब्द)

OR

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम 80 शब्द)

7(d). 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम 80 शब्द)

OR

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी के चरित्र पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम 80 शब्द)

7(e). 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम 80 शब्द)

OR

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (अधिकतम 80 शब्द)

7(f). 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम 80 शब्द)

OR

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए। (अधिकतम 80 शब्द)

8(a). दिए गए संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:
यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच-येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् । यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनं जानाति, तदेव मे ब्रूहि । याज्ञवल्क्य उवाच - प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे ।

OR

दिए गए संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:
महामना विद्वान् वक्ता, धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत् । यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत् ।

8(b). दिए गए संस्कृत पद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:
न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ॥

OR

दिए गए संस्कृत पद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:
विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ॥

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **दो नावों पर पैर रखना**

OR

निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **सूर्य को दीपक दिखाना**

OR

निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **अपना हाथ जगन्नाथ**

OR

निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **का वर्षा जब कृषि सुखाने**

10(i). *अपठित गद्यांश:* आजाद भारत में दुर्गा भाभी को उपेक्षा और सम्मान दोनों प्राप्त हुए। सरकारों ने उन्हें पैसों से तौलना चाहा। कतिपय वर्ष पूर्व उनके सम्मान में आयोजित एक समारोह में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें 51 हजार रूपये भेंट किए। भाभी ने वे रूपए वहीं वापस कर दिए। उन्होंने कहा कि "जब हम स्वाधीनता के लिए संग्राम कर रहे थे, उस समय किसी व्यक्तिगत लाभ की आकांक्षा नहीं थी, केवल स्वाधीनता प्राप्ति लक्ष्य था। इस धन से यहाँ शहीदों का एक बड़ा स्मारक बनाया जाय।"

(i) स्वतंत्र भारत में दुर्गा भाभी का सम्मान किस प्रकार किया गया?

10(ii). *अपठित गद्यांश:* आजाद भारत में दुर्गा भाभी को उपेक्षा और सम्मान दोनों प्राप्त हुए। सरकारों ने उन्हें पैसों से तौलना चाहा। कतिपय वर्ष पूर्व उनके सम्मान में आयोजित एक समारोह में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें 51 हजार रूपये भेंट किए। भाभी ने वे रूपए वहीं वापस कर दिए। उन्होंने कहा कि "जब हम स्वाधीनता के लिए संग्राम कर रहे थे, उस समय किसी व्यक्तिगत लाभ की आकांक्षा नहीं थी, केवल स्वाधीनता प्राप्ति लक्ष्य था। इस धन से यहाँ शहीदों का एक बड़ा स्मारक बनाया जाय।"

(ii) स्वाधीनता संग्राम में भाग लेने का लक्ष्य क्या था?

10(iii). *अपठित गद्यांश:* आजाद भारत में दुर्गा भाभी को उपेक्षा और सम्मान दोनों प्राप्त हुए। सरकारों ने उन्हें पैसों से तौलना चाहा। कतिपय वर्ष पूर्व उनके सम्मान में आयोजित एक समारोह में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें 51 हजार रूपये भेंट किए। भाभी ने वे रूपए वहीं वापस कर दिए। उन्होंने कहा कि "जब हम स्वाधीनता के लिए संग्राम कर रहे थे, उस समय किसी व्यक्तिगत लाभ की आकांक्षा नहीं थी, केवल स्वाधीनता प्राप्ति लक्ष्य था। इस धन से यहाँ शहीदों का एक बड़ा स्मारक बनाया जाय।"

(iii) दुर्गा भाभी को सम्मान में भेंट किए गए धन को उन्होंने किस हेतु प्रयोग करने के लिए लौटा दिया था?

11(a)(i). निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए: मनोज - मनोज्ञ

(A) मन का ओज - मन का ज्ञान

(B) मनु का जन्म - मन की सुन्दरता

(C) कामदेव - सुन्दर

(D) मन के अनुसार - मन का ज्ञान

11(a)(ii). निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए: शूर - सुर

(A) अन्धा - जाग्रत

(B) वीर - देवता

(C) सुप्त - संगीत

(D) अज्ञ - विज्ञ

11(b). निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: **द्विज**

OR

निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: **शिखा**

OR

निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: **मित्र**

OR

निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: **विधि**

11(c)(i). निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए: जिसका कहीं भी अन्त न हो -

(A) अखण्ड

(B) अनन्त

(C) अद्वितीय

(D) असंख्य

11(c)(ii). निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए: जो पढ़ना-लिखना जानता हो -

(A) निरक्षर

(B) अनपढ़

(C) साक्षर

(D) विद्वान्

11(d)(i). निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: आज मेरा बड़ा भाई आ गया।

11(d)(ii). निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: मेरे को फल ले आओ।

11(d)(iii). निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: भारत उन्नतशील देश है।

11(d)(iv). निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: मैं इस लड़के को पढ़ाया हूँ।

12(a). 'करुण' अथवा 'हास्य' रस का परिभाषासहित उदाहरण लिखिए।

12(b). 'अनुप्रास' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

12(c). 'चौपाई' अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए।

13. अपनी गली / मोहल्ले की नालियों की समुचित सफाई के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

OR

बैंक के शाखा प्रबन्धक के नाम एक आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें किसी व्यवसाय को स्थापित करने हेतु ऋण की माँग की गई हो।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:
भारत में कृषि-क्रान्ति

OR

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:
विद्यार्थी-जीवन में अनुशासन का महत्व

OR

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:
साहित्य समाज का दर्पण है!

OR

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:
भारतीय लोकतन्त्र का भविष्य

OR

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:

पर्यावरण-संरक्षण की आवश्यकता